गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 308
दि. 12.03.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास तथा और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने के लिए ऐतिहासिक शहर त्रिची का दौरा किया। कुल 5,600 करोड़ रुपये के निवेश वाली इन पहलों में स्वच्छ ऊर्जा, पेट्रोलियम से संबंधित विनिर्माण और राजमार्गों, रेलवे और ग्रामीण सड़कों के माध्यम से बेहतर बहु-मार्गीय संपर्क सुविधाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'ये परियोजनाएं ऊर्जा की उपलब्धता और संपर्क को बढ़ावा देंगी तथा तमिलनाडु के युवाओं के लिए हजारों रोजगार सृजित करेंगी।'

प्रधानमंत्री ने सतत ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत पेट्रोलियम के सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क की आधारशिला रखी। 3,700 करोड़ रुपये की यह परियोजना लगभग 9 लाख परिवारों और कई व्यावसायिक संस्थाओं को पाइप से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध कराकर नीलगिरी और इरोड जिलों को बदलने के लिए तैयार है। श्री मोदी ने पर्यावरणीय लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'केवल आठ वर्षों में इस परियोजना का सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव चार करोड़ पेड़ लगाने के बराबर होगा।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि चेन्नई में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के लुब्रिकेंट ब्लेंडिंग प्लांट को राष्ट्र को समर्पित करना 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि विश्व स्तर पर अपनी तरह की सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक यह प्लांट राज्य के भीतर और बाहर के विभिन्न उद्योगों की उच्च मांगों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। श्री मोदी ने कहा, "लुब्रिकेंट के स्थानीय उत्पादन में वृद्धि से आयात में कमी आएगी और देश के धन की बचत होगी।"

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित 370 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन करके ग्रामीण संपर्क के महत्व

पर जोर दिया। इन सड़कों से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलने की संभावना है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्यधारा से जुड़ सकेगी।

इस विकास पर प्रधानमंत्री ने कहा, 'प्रत्येक सड़क ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है और जीवन स्तर को सुगम बनाती है।'

प्रधानमंत्री ने क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को ध्यान में रखते हुए, गंगईकोंडा चोलपुरम में एक नए राजमार्ग बाईपास परियोजना की घोषणा की। इस परियोजना का उद्देश्य यूनेस्को से मान्यता प्राप्त सम्राट राजेंद्र चोल द्वारा निर्मित भव्य मंदिर की रक्षा करना है, जिसके लिए भारी यातायात को पवित्र स्थल से दूर मोड़ा जाएगा, जिससे स्मारक और उसके आगंतुकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। नए बुनियादी ढांचे के बारे में श्री मोदी ने कहा, 'इसका मतलब है सभी के लिए बेहतर सुरक्षा।'

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के समापन में अमृत भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आठ स्टेशनों के हालिया आधुनिकीकरण और पुनर्विकास के बाद राज्य के परिवहन क्षेत्र के तीव्र आधुनिकीकरण का उल्लेख किया। आज शुरू की गई नई रेल सेवाएं नागरकोइल, कोयंबटूर, रामेश्वरम, तिरुनेलवेली, मयिलादुथुराई, कराईक्कुडी जैसे प्रमुख स्थानों को अन्य क्षेत्रों से जोड़ती हैं, जिससे पर्यटन और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। श्री मोदी ने राज्य के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा, 'हम राज्य की प्रगति के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।'

योगी कैबिनेट में सरकारी कर्मचारियों पर फैसला, शेयर मार्केट में निवेश और प्रॉपर्टी खरीद की देनी होगी जानकारी

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को 30 प्रस्ताव पारित हुए। इस दौरान राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों के लिए कार्मिक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके तहत राज्य कर्मचारियों को एक कैलेंडर वर्ष में छह महीने के मूल वेतन से अधिक राशि स्टाक, शेयर मार्केट या अन्य निवेश में लगाने पर इसकी जानकारी देना अनिवार्य होगा। इसके लिए सरकारी कर्मचारियों की आचरण नियमावाली 1956 में संशोधन होगा।

यूपी में कैबिनेट बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब छह महीने के मूल वेतन की राशि स्टॉक मार्केट या शेयर मार्केट में लगाने पर उसकी सूचना प्राधिकृत अधिकारी को देनी होगी। इसके अलावा अगर कोई सरकारी कर्मचारी अपने दो महीने की सैलरी से ज्यादा वैल्यू की किसी भी चल संपत्ति (जैसे- गाड़ी, सोना) का लेनदेन करता है, तो उसे इसकी सूचना देनी होगी। यह कदम पारदर्शिता बढ़ाएगा और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाएगा।

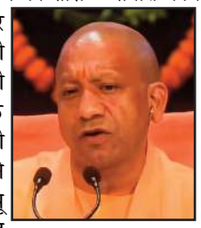

पहले एक महीने का था नियम

गौरतलब है कि पहले एक महीने के मूल वेतन से अधिक की चल संपत्ति का विवरण देना होता था। अब हर साल अचल संपत्ति का विवरण देना अनिवार्य होगा। कमचारियों को अपनी नियुक्ति के समय और उसके बाद हर साल अचल संपत्ति के बारे में जानकारी देनी होगी। अभी यह घोषणा हर पांच साल में करने का नियम है।

दान में मिली संपत्ति के बारे में भी बताना होगा

यूपी सरकार अभी भी हर साल कर्मचारियों से संपत्ति का ब्योरा लेती है लेकिन अब नियमावली में बदलावा कर यह व्यवस्था और सख्त करने की तैयारी है।

नियमों के मुताबिक, राज्य कर्मचारियों को अपनी या परिवार के सदस्यों के नाम पर अर्जित, दान में प्राप्त, पट्टे पर रखी संपत्तियों या अन्य निवेशों की जानकारी भी देनी जरूरी होगी।

रोका जा सकता है प्रमोशन

राज्य कर्मचारियों को सेवा नियमावली नियम 24 में किए गए बदलावों के तहत हर साल अपनी संपत्ति का ब्योरा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करना होगा।

राष्ट्रपति ने 'जल महोत्सव 2026' में भाग लिया

अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए, हमें जल संरक्षण को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना होगा: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली में आयोजित 'जल महोत्सव 2026' में भाग लिया और उसे संबोधित किया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में जल केवल एक मूलभूत आवश्यकता नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से जुड़ा हुआ है। वर्षों से ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को, दूर-दूर से पीने का पानी लाना पड़ता था। स्वच्छ जल उपलब्ध कराना केवल सुविधा का मामला नहीं था; यह समय, स्वास्थ्य और सम्मान का मामला था। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत सरकार ने 'जल जीवन मिशन' आरंभ किया। जिन ग्रामीणों को कभी पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था, अब उन्हें अपने घरों में ही स्वच्छ और सुरक्षित जल उपलब्ध है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जब किसी संसाधन की जिम्मेदारी न केवल सरकार बल्कि पूरे समाज द्वारा ली जाती है, तो उसका संरक्षण अधिक प्रभावी और स्थायी हो जाता है। जल प्रबंधन और संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ग्राम पंचायतों को जल आपूर्ति अवसंरचना के औपचारिक हस्तांतरण का 'जल अर्पण दिवस' मनाने से सामुदायिक भागीदारी की भावना सुदृढ़ होगी।

राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि स्वयं सहायता समूह जल परीक्षण, संचालन और अन्य रखरखाव कार्यों में संलग्न हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां स्वयं सहायता समूहों की प्रतिबद्धता और समर्पण ने महिलाओं और समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की क्षमता का उपयोग जल सुरक्षा के समाधान में अत्यंत फलदायी सिद्ध होगा।

'हड्डियां टूटी-पैर में फ्रैक्चर, आंख में चोट', यूस-ईरान जंग में मोजतबा मेडिकली अनफिट?

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका और इजरायल के हमलों के पहले दिन ही वे घायल हो गए। उनके पैर में फ्रैक्चर है, साथ ही कई मामूली चोटें भी लगी हैं। इनमें बाईं आंख के आसपास सूजन और चेहरे पर छोटे-मोटे घाव शामिल हैं। सीएनएन के हवाले से एक सूत्र ने यह जानकारी दी है। खबरों के मुताबिक, मोजतबा की ये चोटें एक कथित हत्या के प्रयास से जुड़ी हैं। पिछले हफ्ते एक इजरायली सूत्र ने सीएनएन को बताया था कि वे हमले में घायल हुए थे। इससे ईरान में उनके स्वास्थ्य को लेकर अफवाहें और तेज हो गई हैं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने घटना की पुष्टि नहीं की है।

'जब बोलना होता है तो विदेश में होते हैं', अमित शाह ने सदन में पढ़ा राहुल गांधी का अटेंडेंस चार्ट

(जीएनएस)।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण एक नाटकीय बहस का गवाह बना, जहां लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने सदन का माहौल गरमा दिया। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी जुबानी जंग हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला।

सदन में बोलने नहीं दिया जाता राहुल गांधी के दावे पर अमित शाह ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सदस्य खुद तय करते हैं कि उन्हें बहस में कब शामिल होना है। शाह ने आरोप लगाया कि जब सदन में बोलने के अवसर मिलते हैं, तो गांधी अक्सर विदेश जैसे जर्मनी और इंग्लैंड में होते हैं।

अमित शाह ने सदन में पढ़ा राहुल गांधी का अटेंडेंस चार्ट

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता की लोकसभा में उपस्थिति को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि की 17वीं लोकसभा में राहुल गांधी की उपस्थिति 51 प्रतिशत थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 66 प्रतिशत रहा। इसी तरह 16वीं लोकसभा में उनकी उपस्थिति 52 प्रतिशत थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 80 प्रतिशत था। 15वीं लोकसभा में भी उनकी उपस्थिति 43 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 76 प्रतिशत रहा था।

लोकसभा में बोलने के समय पर उठाए सवाल

गृह मंत्री ने सदन को बताया कि 18वीं लोकसभा में कांग्रेस सांसदों ने कुल 157 घंटे 55 मिनट तक बात की थी। उन्होंने सवाल उठाया कि विपक्ष के नेता ने इनमें से कितना समय बोला। शाह ने कहा, "कौन से स्पीकर ने गांधी को बोलने से रोका है और ऐसा कोई नहीं कर सकता", उन्होंने दावा किया कि लोकसभा को बदनाम करने के लिए गलत जानकारी फैलाई जा रही है।

अमित शाह ने नेहरू और इंदिरा गांधी का किया जिक्र

गृह मंत्री ने राहुल गांधी द्वारा अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर सदन में बहस की मांग की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोकसभा कोई बाजार नहीं है जहां इस तरह की चर्चाएं आयोजित की जा सकें। उन्होंने कहा, "लोकसभा कोई बाजार नहीं है जहां ऐसी चर्चाएं आयोजित की जा सकें।" शाह ने याद दिलाया कि जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे प्रमुख नेताओं के समय में भी किसी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर सदन में कभी बहस नहीं हुई थी।

अमित शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस "झूठे दावों" पर आधारित थी।

स्पीकर ओम बिरला का बचाव

उन्होंने डे Birla का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने सदन के मानकों को गिरने नहीं दिया बल्कि उसकी गरिमा बनाए रखी। शाह ने कहा कि राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस की अनुमति न देकर ओम बिरला ने सदन पर एक एहसान किया है।

माइक्रोफोन बंद किए जाने के मुद्दे पर सफाई

गृह मंत्री ने विपक्षी सदस्यों के माइक्रोफोन बंद किए जाने के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जो सदस्य नियमों का पालन नहीं करते या सदन में अनुशासन बनाए नहीं रखते, उनके माइक्रोफोन बंद कर दिए जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम सभी पर लागू होते हैं और यदि कोई केंद्रीय मंत्री भी प्रक्रियाओं का पालन नहीं करता, तो उसका माइक्रोफोन भी बंद किया जा सकता है।

तेलंगाना के किसानों को केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दी बड़ी सौगात

किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केंद्र सरकार ने एक और बड़ा निर्णय लिया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने तेलंगाना सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत रबी 2026 सीजन के लिए कुल 1,25,855 मीट्रिक टन फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जाएगी। यह खरीद मूल्य समर्थन योजना (ढरर) के तहत की जाएगी, जिसमें 29,860 मीट्रिक टन चना, 37,020 मीट्रिक टन उड़द, 55,285 मीट्रिक टन मूंगफली और 3,690 मीट्रिक टन सूरजमुखी की खरीद शामिल है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह द्वारा दी गई इन स्वीकृतियों का कुल मूल्य 894 करोड़ रुपये से अधिक होगा।

उत्तराखंड में संसोधन लागू, पहचान छुपाकर शादी करने वालों को जेल, लिव-इन को लेकर कड़े प्रावधान, इन नियमों में बदलाव

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में धामी सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को अधिक प्रभावी और सख्त बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2026 के तहत कई बदलाव किए हैं, जो कि लागू हो गए हैं।

प्रदेश में समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2026 लागू हो गया है। जिसके तहत राज्य में विवाह, पंजीकरण और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो गए हैं। अब पहचान छिपाकर शादी करने वालों को जेल होगी।

जबकि लिव इन में भी कड़े नियम लागू हो गए हैं। यदि कोई व्यक्ति बल, दबाव या धोखाधड़ी के माध्यम से लिव-इन संबंध स्थापित करता है तो उसे सात साल तक के कारावास और जुमार्ने की सजा होगी। लिव-इन संबंध समाप्त होने पर अब निबंधक

की ओर से दोनों पक्षों को निर्धारित प्रपत्र में प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा।

किन नियमों में हुए बदलाव-

उत्तराखंड में अब पहचान छिपाकर शादी करने वालों को जेल होगी।

यदि विवाह का कोई भी पक्षकार अपनी पहचान के विषय में गलत जानकारी देता है तो इसे विवाह शून्य करने का आधार माना जाएगा।

अपनी पहचान या वैवाहिक स्थिति छिपाकर शादी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अब भारतीय न्याय संहिता के तहत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी।

लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर बेहद कड़े प्रावधान जोड़े गए हैं।

यदि कोई व्यक्ति बल, दबाव या धोखाधड़ी के माध्यम से लिव-इन संबंध स्थापित करता है तो उसे सात साल तक के कारावास और जुमार्ने की सजा होगी।

परंपरागत चिकित्सा में सहयोगात्मक अनुसंधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) - केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), नई दिल्ली, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने 6 मार्च 2026 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली में सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना इफेक्ट्स ऑफ सीजनल एमिसिस ऑन मेटाबॉलिक, इंफ्लेमेटरी और माइक्रोबायोम मार्कर्स इन अपेरंटली हेल्दी ऐडल्ट्स- एन रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी के लिए त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोगात्मक पहल का उद्देश्य स्वस्थ वयस्कों में एमिसिस और मेटाबोलिक इंफ्लेमेटरी और माइक्रोबायोम मार्कर्स पर इसके प्रभावों का आकलन करके इसके वैज्ञानिक आधार और स्वास्थ्य प्रभावों का पता लगाना है।

टाइटैनिक के पोज में ट्रंप-एपस्टीन! मूर्ति ने अमेरिका में मचाया तहलका जिससे छिड़ी व्हाइट हाउस और सोशल मीडिया पर बहस

(जीएनएस)। वॉशिंगटन के नेशनल मॉल में मंगलवार को लगी एक अजीबोगरीब मूर्ति ने अमेरिकी राजनीति में 'टाइटैनिक' जैसा तूफान ला दिया है। 'द सीक्रेट हैंडशेक' नामक ग्रुप ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जेफरी एपस्टीन को जैक और रोज के फिल्मी अंदाज में दिखाकर सबको हैरान कर दिया।

यह मूर्ति महज एक कलाकृति नहीं, बल्कि ट्रंप और एपस्टीन के पुराने रिश्तों पर किया गया एक तीखा प्रहार है। 'किंग ऑफ द वर्ल्ड' लिखे इस स्टैच्यू ने पुरानी फाइलों और विवादों को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है, जिससे व्हाइट हाउस और सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है।

फिल्मी पोज और तीखा प्रहार

इस मूर्ति में डोनाल्ड ट्रंप और जेफरी एपस्टीन को टाइटैनिक जहाज के अगले हिस्से पर बाहें फैलाए खड़ा दिखाया गया है। मूर्ति के नीचे लगी पट्टी पर उनकी दोस्ती की तुलना "शानदार पार्टियों और गुप्त यात्राओं" से की गई है। यह नजारा इतना चौंकाने वाला है कि इसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कुछ लोग इसे गहरा तंज कह रहे हैं, तो कुछ इसे राष्ट्रपति की छवि बिगाड़ने की साजिश।

फर्जी चिट्ठी और अरबों का केस

इस विवाद के साथ ही 2003 की एक कथित चिट्ठी की चर्चा भी गर्म है। दावा है कि ट्रंप ने एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर उसे एक खास संदेश भेजा था। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पत्र को पूरी तरह से 'फेक' और जाली बताया है। उन्होंने इसे छापने वाले अखबार 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' पर 10 अरब डॉलर का भारी-भरकम मानहानि का केस कर दिया है, जिससे यह कानूनी लड़ाई और गंभीर हो गई है।

पुरानी फाइलों से निकला नया तूफान

यह मूर्ति ऐसे समय में आई है जब न्याय विभाग द्वारा जारी 'एपस्टीन फाइल्स' के नए सेट ने हड़कंप मचा रखा है। इन दस्तावेजों में एक महिला ने ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

सम्पादकीय

ईरान के नये सुप्रीमो हुए घायल

ईरान ने अपना सुप्रीम लीडर चुन लिया है। अयातुल्लाह अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई ईरान के नए सुप्रीम लीडर चुने गए हैं। दुनिया के स्वयंभू बादशाह सलामत डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि अयातुल्लाह अली खामेनेई की शहादत के बाद ईरान का अगला सुप्रीम लीडर कौन होगा यह मैं चुनूंगा। ईरान ने ट्रंप को मुंहतोड़ जवाब दिया है और साफ बता दिया है कि ईरान ट्रंप-नेतन्याहू के सामने झुकने वाला नहीं है। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स 88 सदस्यीय धार्मिक संस्था है जिसकी जिम्मेदारी सुप्रीम लीडर को चुनने की है। संस्था द्वारा जारी एक बयान को ईरानी टीवी पर एंकर ने पढ़कर सुनाया। बयान में कहा गया कि युद्ध में बेहद गंभीर हालात और हमारी संस्था के खिलाफ दुश्मनों की सीधी धमकियों के बावजूद और असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सचिवालय के दफ्तरों पर बमबारी से उसके कई कर्मचारियों और सुरक्षा टीम के सदस्यों के शहीद हो जाने के बावजूद ईरानी व्यवस्था के नेतृत्व के चयन और उसकी घोषणा की प्राव्रिया एक पल के लिए भी नहीं रूकी। इसके बाद एंकर ने नारा लगाया-अल्लाहु अकबर, अल्लाहु अकबर खामेनेई ही रहबर। अमेरिकी-इजरायल के हवाई हमलों में अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद कई लोगों को आशंका थी कि उनके बेटे मोजतबा खामेनेई भी मारे गए हैं। कई दिनों तक मोजतबा के बारे में कोई खबर नहीं आई। लेकिन तीन मार्च को ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि मोजतबा जिदा हैं और उन्हें ईरान का सर्वोच्च नेता चुन लिया गया है। बता दें कि मोजतबा खामेनेई ने तो कभी कोई सार्वजनिक भाषण दिया ही नहीं, न कोई सरकारी पद संभाला, न कोई साक्षात्कार दिया और उनकी बहुत कम तस्वीरें और वीडियो प्राकाशित हुए हैं।

अमेरिकी राजनयिक दस्तावेजों में उन्हें पर्दे के पीछे असली ताकत बताया गया था। उनको शासन के भीतर एक सक्षम और दृढ़ नेता माना जाता है। 8 सितम्बर 1969 को ईरान के उत्तर पूवा शहर माशहद में जन्मे मोजतबा इमाम अली खामेनेई के 6 बच्चों में दूसरे स्थान पर हैं।

मीडिया के मुताबिक 17 साल की उम्र में मोजतबा ने ईरान-इराक युद्ध के दौरान सेना में सेवा दी थी। मदरसों की व्यवस्था में अयातुल्लाह के पदवी का होना और धार्मिक कक्षाओं को पढ़ाना किसी व्यक्ति की विद्वत क्षमता और ज्ञान का प्रामाण माना जाता है। ये भविष्य में नेता चुने जाने की आवश्यक शर्तो में से एक है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही नाम की घोषणा हुई, ईरान की सेना, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) और राजनीतिक नेताओं ने तुरन्त मोजतबा खामेनेई के प्राति निष्ठा की शपथ ली। आईआरजीसी ने बयान जारी करते हुए कहा हम नए नेता आयतुल्लाह सैय्यद मोजतबा खामेनेई के हुक्म का पालन करने और खुद को वुर्बान करने के लिए तैयार हैं। सेना के शीर्ष नेतृत्व ने भी अपनी पूरी वफादारी का वादा किया है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई के सबसे शक्तिशाली पद संभालते ही ईरान ने इजरायल पर मिसाइलों से हमला किया। मानों यह संकेत था कि अयातुल्लाह अली खामेनेई की शहादत से भी उसकी रणनीति में कोई बदलाव नहीं आया बल्कि यूं कहें कि ईरान अब और शक्ति से हमला करेगा। यह इससे साबित होता है कि अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई के नेतृत्व में इस युद्ध में जबरदस्त नई मिसाइलों से हमला किया। देखना यह है कि क्या अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई अपने पिता अयातुल्लाह अली खामेनेई के उस फतवे को बदलेंगे जिसमें कहा गया था कि ईरान कोई परमाणु हथियार नहीं बनाएगा?

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 29वां दीक्षांत समारोह और शिष्योपनयन संस्कार समारोह आयोजित किया

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने वर्चुअल माध्यम से सभा को संबोधित किया, आयुर्वेद की वैश्विक क्षमता और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर बल दिया

(जीएनएस)।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आरएवी) का 29वां दीक्षांत समारोह और शिष्योपनयन संस्कार समारोह आज वाराणसी स्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन में आयोजित किया गया। इस समारोह में 'सर्टिफिकेट ऑफ राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ' (सीआरएवी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित विद्वानों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया और आयुर्वेद की शाश्वत गुरु-शिष्य परंपरा को पुनः स्थापित किया गया।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअल संदेश के माध्यम से सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर श्री जाधव ने कहा कि काशी जैसे पवित्र शहर में विद्वानों की ऐसी गरिमामयी सभा को संबोधित करना अत्यंत गर्व का विषय है; उन्होंने कहा कि काशी आयुर्वेद ज्ञान का प्राचीन केंद्र है और वह भूमि है जिसका संबंध धन्वंतरि दिवोदास से है। धन्वंतरि दिवोदास को अष्टांग आयुर्वेद में शल्य चिकित्सा विज्ञान का जनक माना जाता है। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय

को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी दूरदृष्टि ने बीएचयू को आयुर्वेद शिक्षा के ऐतिहासिक केंद्रों में से एक बनाया।

मंत्री महोदय ने इस बात पर जोर दिया कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा की प्रणाली मात्र नहीं है, बल्कि यह समग्र ज्ञान प्रणाली है जो स्वास्थ्य और जीवन के संबंध में व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर बल दिया, जिसने पीढ़ी-दर-पीढ़ी आयुर्वेद के ज्ञान को संरक्षित और हस्तांतरित किया है। उन्होंने कहा कि धन्वंतरि, चरक, सुश्रुत और वाग्भट जैसे महान व्यक्तित्व इसी परंपरा से ही उभरे हैं।

श्री जाधव ने राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के प्रयासों की सराहना की, जिसने सीआरएवी और एमआरएवी जैसे व्यवस्थित कार्यक्रमों के माध्यम से युवा चिकित्सकों को प्रख्यात और अनुभवी वैद्यों से सीधे सीखने का अवसर देकर इस परंपरा को बनाए रखा है। उन्होंने आयुर्वेद शिक्षा और प्रशिक्षण को सुदृढ़ बनाने के लिए आरएवी की शासी निकाय के अध्यक्ष और पद्म भूषण से सम्मानित वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा, तथा आरएवी की निदेशक डॉ. वंदना सिरोहा के नेतृत्व की भी प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष प्रणालियों की बढ़ती पहुंच पर बल देते हुए, मंत्री ने कहा कि योग और आयुष को वैश्विक पहचान मिली है और वे भारत की स्वास्थ्य कूटनीति में लगातार योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय पारंपरिक चिकित्सा की मान्यता प्राप्त पद्धतियों—आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी—में शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

दीक्षांत समारोह में उपस्थित विद्वानों को संबोधित करते हुए, श्री जाधव ने कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल शैक्षणिक उपलब्धि का प्रतीक है, बल्कि नई जिम्मेदारी की शुरूआत भी है। उन्होंने उनसे पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ एकीकृत करने

मेडट्रॉनिक और वैस्कुलर क्लिनिक लखनऊ ने उन्नत वैरिकोज वेन उपचार की पहुँच बेहतर बनाने के लिए की साझेदारी

लखनऊ, 11 मार्च 2026 झ लखनऊ स्थित वैस्कुलर क्लिनिक ने नसों से संबंधित रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए विशेष उपचार सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से मेडट्रॉनिक के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य मरीजों को समय पर जाँच, आधुनिक उपचार विकल्प और उनके घर के नजदीक समग्र देखभाल उपलब्ध कराना है। चिकित्सकीय विशेषज्ञता और उन्नत चिकित्सा तकनीक को साथ लाकर यह साझेदारी निदान और स्वस्थ होने की प्रक्रिया के बीच की दूरी को कम करने का प्रयास करती है। इसमें विशेष रूप से न्यूनतम आक्रामक उपचारों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे मरीजों को कम दर्द हो, रिकवरी का समय घटे और वे जल्द ही अपनी सामान्य दिनचर्या में वापस लौट सकें।

'हम पिछले एक दशक से अधिक समय से इस समुदाय की सेवा कर रहे हैं और हमने स्वयं देखा है कि समय के साथ मरीजों की जरूरतें कैसे बदली हैं,' वैस्कुलर क्लिनिक के कंसल्टेंट वैस्कुलर और एंडोवैस्कुलर सर्जन डॉ. यशपाल सिंह ने कहा। उन्होंने बताया कि वैरिकोज वेन का उपचार अब काफी विकसित हो चुका है और कई मामलों में अब इसके लिए बड़े ऑपरेशन या लंबी रिकवरी की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने आगे कहा कि वर्षों के चिकित्सकीय अनुभव को न्यूनतम आक्रामक उपचार विधियों के साथ जोड़कर उनका उद्देश्य नसों से संबंधित रोगों का अधिक प्रभावी उपचार करना और मरीजों को तेजी से स्वस्थ होने में मदद

करना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस सहयोग के माध्यम से वे क्षेत्र के मरीजों के लिए विशेष नस उपचार सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना चाहते हैं और उन्हें जल्द से जल्द सामान्य दैनिक जीवन में लौटने में सहायता करना चाहते हैं।

जबकि वैरिकोज वेन्स और डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) जैसी नसों से संबंधित बीमारियाँ व्यापक रूप से पाई जाती हैं, इन्हें अक्सर केवल सौंदर्य से जुड़ी समस्या समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जब तक कि दर्दनाक जटिलताएँ सामने न आ जाएँ। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के संदर्भित आँकड़ों के अनुसार, दुनिया की लगभग 10झ 20% आबादी वैरिकोज वेन्स से प्रभावित है। लाखों लोग क्रॉनिक वेनस इंसफिशिएंसी के साथ जीवन जी रहे हैं, जिसमें दर्द, सूजन, त्वचा में परिवर्तन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं और उन्नत मामलों में वेनस अल्सर भी हो सकता है। यह स्थिति इस बात को स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि जल्दी निदान, समय पर उपचार और विशेषीकृत नस उपचार सेवाओं तक बेहतर पहुँच अत्यंत आवश्यक है।

नसों से संबंधित विकारों के लिए समर्पित केंद्र के रूप में स्थापित यह क्लिनिक परामर्श, जाँच सेवाएँ और उपचार विकल्पों को एक समन्वित देखभाल प्रणाली के अंतर्गत उपलब्ध कराता है, जिससे मरीजों के उपचार की प्रक्रिया को सरल और सुव्यवस्थित बनाया जा सके। उपचार के अलावा, यह क्लिनिक मरीजों को जागरूक करने, जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने पर भी ध्यान देता है, ताकि मरीजों को दीर्घकालिक नस स्वास्थ्य प्रबंधन में सहायता मिल सके।

हालाँकि नसों से संबंधित विकारों को अक्सर केवल एक सौंदर्य संबंधी समस्या समझ लिया जाता है, लेकिन यदि उनका उपचार न किया जाए तो वे मरीज के समग्र स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं। एडहेसिव थेरेपी और रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन जैसे न्यूनतम आक्रामक उपचार विकल्पों को उन्नत तकनीकों के साथ एकीकृत करके यह क्लिनिक मरीजों को संपूर्ण देखभाल सहायता प्रदान करता है, जिससे उन्हें निदान, उपचार और रिकवरी तक पूरी उपचार प्रक्रिया के दौरान मार्गदर्शन मिलता है। यह सुव्यवस्थित दृष्टिकोण मरीजों को दीर्घकालिक राहत प्रदान करने के साथ-साथ उनके शारीरिक आराम और कार्यात्मक स्वास्थ्य को पुनर्स्थापित करने में भी सहायता करने के लिए तैयार किया गया है।

'मेडट्रॉनिक में हम यह भली-भाँति समझते हैं कि हम अकेले सभी स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकते। वैस्कुलर वेन क्लिनिक के साथ मिलकर हम अग्रणी तकनीक और चिकित्सकीय विशेषज्ञता को एक साथ ला रहे हैं, ताकि उपचार तक पहुँच का विस्तार किया जा सके और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सके। यह सहयोग हमारे साझा मिशन—दर्द को कम करना, स्वास्थ्य को पुनर्स्थापित करना और जीवन को लंबा करना—को दशार्ता है,' मेडट्रॉनिक इंडिया में न्यूरोसाइंस और स्पेशियल्टी थेरेपीज के सीनियर डायरेक्टर प्रतीक तिवारी ने

टूसोल ने लॉच किया टूहर्ब्स की रेंज

टूसोल, बैद्यनाथ आयुर्वेद परिवार का एक आधुनिक मॉडर्न वेलनेस और पर्सनल केयर ब्रांड, ने आज 'टूहर्ब्स' रेंज के लॉन्च की घोषणा की। यह टूसोल वेलनेस प्लेटफॉर्म के तहत पारंपरिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों की एक बेहद सोच-समझकर तैयार की गई और परिष्कृत पेशकश है। आज के स्वास्थ्य के प्रति जागरुक उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन की गई इस रेंज में चार एकल-जड़ी-बूटी फॉर्मूलेशन शामिल हैं— अश्वगंधा, गोक्षुर, ब्राह्मी और हड़जोड़। इन्हें साफ-सुथरे और आधुनिक स्वरूप में पेश किया गया है, जो क्लासिक आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक जीवनशैली की जरूरतों के बीच संतुलन बनाते हैं।

टूहर्ब्स रेंज को सावधानीपूर्वक चुनी गई जड़ी-बूटियों से विकसित किया गया है, जिन्हें उनके प्राकृतिक गुणों को संरक्षित रखने के लिए नियंत्रित परिस्थितियों में प्रोसेस किया जाता है। फॉर्मूलेशन की आवश्यकताओं के अनुसार, इन उत्पादों में सांद्रित और मानकीकृत अर्क शामिल हैं ताकि पौधे की प्राकृतिक विशेषताओं को बनाए रखते हुए उनके सक्रिय तत्वों में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। प्रत्येक बैच की शुद्धता, सुरक्षा और गुणवत्ता जांच की जाती है, और इनका निर्माण ऐसी सुविधाओं में किया जाता है जो गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस (जीएमपी) का पालन करती हैं और एफएसएसएआई आवश्यकताओं सहित सभी लागू नियामक दिशानिदेर्शों के अनुरूप हैं।

टूहर्ब्स रेंज की प्रत्येक जड़ी-बूटियों को आयुर्वेदिक साहित्य में उनके विशिष्ट स्वास्थ्य लाभों के लिए पारंपरिक रूप से महत्व दिया गया है, जैसे तनाव संतुलन, सहनशक्ति और समग्र जीवन शक्ति के लिए अश्वगंधा, शक्ति, एंड्योरेंस और सक्रिय जीवनशैली के सहयोग के लिए गोक्षुर, संज्ञानात्मक स्वास्थ्य, एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता के लिए ब्राह्मी, और हड्डियों तथा जोड़ों की मजबूती के लिए हड़जोड़।

मुख्य रूप से निवारक और लाइफस्टाइल संबंधित वेलनेस के लिए तैयार की गई टूहर्ब्स रेंज को किसी विशेष बीमारी के उपचार के बजाय संतुलित जीवनशैली के पूरक के रूप में डिजाइन किया गया है। यह विशेष रूप से व्यस्त दिनचर्या वाले कामकाजी पेशेवरों, प्लांट-बेस्ड ताकत की तलाश करने वाले फिटनेस उत्साही लोगों, एकाग्रता और स्पष्टता को प्राथमिकता देने वाले छात्रों एवं बौद्धिक श्रम करने वालों और निवारक वेलनेस रूटीन में पारंपरिक जड़ी-बूटियों को शामिल करने के इच्छुक वयस्कों के लिए उपयुक्त है।

लॉन्च के दौरान बोलते हुए टूसोल के सह-संस्थापक अधिराज शर्मा ने कहाः "पीढ़ियों से अश्वगंधा, ब्राह्मी, गोक्षुर और हड़जोड़ जैसी जड़ी-बूटियाँ भारतीय घरों में रोजमर्रा के स्वास्थ्य का हिस्सा थीं। हालाँकि, समय के साथ जैसे-जैसे जीवनशैली तेज और अधिक शहरी होती गई, वह मेल-जोल धीरे-धीरे कम होता गया। सुविधा ने परंपरा की जगह ले ली और कहीं न कहीं हमने इनका उपयोग करना बंद कर दिया। टूहर्ब्स के साथ हम इन सदियों पुरानी जड़ी-बूटियों को वापस रोजमर्रा की जिंदगी में लाना चाहते थे - न केवल पुरानी यादों के कारण, बल्कि लोगों को प्राकृतिक वेलनेस से इस तरह से फिर से जुड़ने में मदद करने के लिए जो सहज, प्रामाणिक, सुलभ और एक स्वस्थ, अधिक संतुलित जीवनशैली के अनुरूप महसूस हो।"

इसी विजन को दोहराते हुए, टूसोल के सह-संस्थापक ऋषि राज शर्मा ने कहाः "हम एक ऐसी विरासत से आते हैं जो जड़ी-बूटियों को केवल सामग्री के रूप में नहीं, बल्कि दैनिक स्वास्थ्य के एक अभिन्न अंग के रूप में देखती है। साथ ही, हम यह भी समझते हैं कि आज के उपभोक्ता जागरूक हैं और शुद्धता, पारदर्शिता व निरंतरता की अपेक्षा रखते हैं।

कूलिंग के भविष्य का आगाज। डायकिन इंडिया ने पेश की एआई-पावर्ड VRV अल्फा और 2026 की अत्याधुनिक एसी रेंज

लखनऊ, 11 मार्च 2026: जापानी तकनीक और भारतीय विश्वास के संगम, डायकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया ने आज लखनऊ में अपने बहुप्रतीक्षित 2026 प्रोडक्ट लाइनअप का अनावरण कर कूलिंग जगत में एक नई कांति की शुरूआत की। ऊर्जा दक्षता और स्मार्ट क्लाइमेट कंट्रोल' के संकल्प के साथ, डायकिन ने अपनी नई इएए 2026 स्टार रेटेड रूम एसी रेंज और एआई-संचालित VRV अल्फा सीरीज की बाजार में उतारा है। राष्ट्रीय सम्मानः डापकिन को भारत सरकार द्वारा 'नेशनल एनर्जी कंजर्वेशन अवार्ड 2025' से नवाजा गया है। मॉडल FTM50 को 'एएलायंस ऑफ द ईयर चुना गया, जिसे राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू की की उपस्थिति में प्रदान किया गया। 54°C की गर्मी भी अब लगेगी सुहानीः रूम एसी का नया अवतार डायकिन की 2026 रूम एसी रेंज को "रिस्पॉन्सिबल कूलिंग के दर्शन पर तैयार किया गया है। यह सिर्फ एक एसी नहीं, बल्कि आधुनिक इंजीनियरिंग का चमत्कार है.

स्ट्रीमर डिस्चार्ज और स्विंग कंप्रेसरः शुद्ध हवा और अधिकतम बिजली बचत का बेजोड़ संगम।

भीषण गर्मी का समाधानः हाई-एम्बिएंट परफॉरमेंस तकनीक, जो 54°C के प्रचंड तापमान में भी शिमला जैसी ठंडक दे।

स्मार्ट फीचर्सः 101' कनेक्टिविटी और अल्ट्रा-क्वाइट (बेहद शांत) ऑपरेशन के साथ प्रीमियम घरों की पहली पसंद। VRV अल्फाः जब कूलिंग को मिला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का दिमाग बड़े प्रोजेक्ट्स और आलीशान घरों के लिए डायकिन ने श्फ्र अल्फा पेश किया है। यह दुनिया का ऐसा सिस्टम है जो अक के जरिए खुद फैसले लेता है, मौसम के बदलाव को भांपता है और कम से कम बिजली में सबसे सटीक कूलिंग देता है। यह 21वीं सदी के स्मार्ट इंडिया की पहचान है। नेतृत्व का विजनः "जापानी विरासत, भारतीय जरूरत" इस मील के पत्थर पर श्री कंवलजीत जावा (चेयरमैन एवं एमडी, डायकिन इंडिया) ने श्री रवि तनेजा (मार्केटिंग हेड, नॉर्थ इंडिया) और श्री शक्ति सिंह (ब्रांच ऑपरेशंस हेड, ईस्ट यूपी) की उपस्थिति में कहाः "हमारा 60+ मॉडलों का नया 2026 लाइनअप हमारी जापानी नवाचार की विरासत और भारतीय जरूरतों का एक सुंदर मेल है। तीन फैक्ट्रियों की ताकत के साथ, हम न केवल क्षमता बढ़ा रहे हैं, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल समाधान भी प्रदान कर रहे हैं।" मूल्य संशोधन की जानकारी डायकिन ने यह भी सूचित किया है कि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण, अप्रैल 2026 से उत्पादों की कीमतों में 7% से 12% तक की वृद्धि प्रभावी होगी। डायकिन इंडिया के बारे मेंः डायकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (DAIPL), जापान की डायकिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनी भारत में अत्याधुनिक और ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनिंग समाधानों के लिए अग्रणी नाम है।

उद्योग संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 332वीं रिपोर्ट पर प्रेस विज्ञप्ति

(जीएनएस)।

श्री तिरुची शिवा की अध्यक्षता में राज्य सभा की विभाग-संबंधित उद्योग संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने भारी उद्योग मंत्रालय की अनुदान मांगों (2026-27) पर अपना तीन सौ बत्तीसवां (332वां) प्रतिवेदन 11 मार्च, 2026 को संसद में प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन में ऑटोमोटिव उद्योग, पूंजीगत वस्तु क्षेत्र और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) और स्वायत्त निकायों से संबंधित मंत्रालय के बजटीय आवंटन और प्रमुख योजनाओं को कवर किया गया है।

समिति ने राज्य सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन विषयक नियमों के नियम 272 के तहत भारी उद्योग मंत्रालय की अनुदान मांगों 2026-27 (मांग सं. 48) की जांच की । समिति ने मंत्रालय के सचिव और अन्य अधिकारियों के साथ-साथ और इसके प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और संगठनों के प्रतिनिधियों से मौखिक साक्ष्य लिए। प्रतिवेदन में शामिल समिति की प्रमुख सिफारिशें संक्षेप में निम्नानुसार हैं।

बजटीय आवंटनः यथार्थवादी बजटिंग और संतुलित व्यय की आवश्यकता

समिति ने नोट किया कि मंत्रालय के लिए बजट प्राक्कलन (ब.प्रा.) 2026-27, 7,939.90 करोड़ रुपये हैं, जबकि मंत्रालय द्वारा अनुमानित आवश्यकता 9,484.32 करोड़ रुपये की है, जो लगभग 16 प्रतिशत की बड़ी कमी दशार्ता है। राजस्व व्यय कुल परिव्यय का 99.96 प्रतिशत (7,937.08 करोड़ रुपये) है, जबकि पूंजीगत व्यय को बजट प्राक्कलन 2025-26 में 502 करोड़ रुपये से घटाकर नगण्य 2.82 करोड़ रुपये (0.04 प्रतिशत) कर दिया गया है, जो बहुत कम है।

समिति ने बजट प्राक्कलन को संशोधित प्राक्कलन स्तर पर बार-बार घटाए जाने पर चिंता जताई है — 2024-25 और 2025-26 में संशोधित प्राक्कलन स्तर पर आवंटन को लगभग एक-तिहाई कम कर दिया गया था — जो व्यय नियोजन में अधिआकलन और प्रणालीगत कमजोरियों की ओर इशारा करता है। संशोधित प्राक्कलन के उपयोग में गिरावट की प्रवृत्ति — जो 2022-23 में 84.23 प्रतिशत, 2023-24 में 76.87 प्रतिशत, और 2024-25 में 58.90 प्रतिशत थी — को भी चिंता का विषय बताया गया।

समिति की प्रमुख सिफारिशें:

मंत्रालय को मध्यम अवधि में राजस्व और पूंजीगत परिव्यय के बीच अधिक संतुलित समन्वय फिर से स्थापित करना चाहिए और टिकाऊ औद्योगिक आस्तियों, परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना के आधुनिकीकरण, और दबाव में चल रहे केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की समय-बद्ध रूप से पुनर्संरचना के लिए पूंजी का आवंटन बढ़ाने पर विचार करना चाहिए।

जिन स्कीमों में पूंजी का लंबे समय से अल्प उपयोग हो रहा है, उनके लिए स्कीम विशेष आधारित खर्च कम करने की योजना तैयार की जानी चाहिए, जिसमें मंजूरी की फ्रंट लोडिंग और लक्ष्यों को यथार्थवादी रूप से तय करना शामिल हो।

मंत्रालय को अपनी आंतरिक संसाधन-आकलन प्रणाली को मजबूत करना चाहिए और वित्त मंत्रालय के साथ शीघ्र और डेटा-आधारित परामर्श करना चाहिए ताकि अत्यावश्यक बहु-वर्षीय योजनाओं को पूवार्नुमेय और पर्याप्त धनराशि मिल सके।

पीएम ई ड्राइवः इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में सेगमेंट संबंधी असंतुलन को ठीक करना

पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एनहांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना , जिसकी कुल लागत 10,900 करोड़ रुपये है (अप्रैल 2024 से मार्च 2028 तक प्रभावी), को बजट प्राक्कलन 2026-27 में 1,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। 31 जनवरी 2026 की स्थिति तक, कुल 16,56,335 इलेक्ट्रिक गाड़ियों (ईवी) को 28,26,634 ईवी के संशोधित लक्ष्य के अनुसार प्रोत्साहन दिया गया है — यह लगभग 58.6 प्रतिशत की उपलब्धि है।

प्रगति इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर (ई-2डब्ल्यूः 14,31,133 यूनिट्स) और इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर एल 5 (ई-3 डब्ल्यू एल5: 2,21,600 यूनिट्स) सेगमेंट में ही अधिकाधिक रूप से संकेन्द्रित है। इसके विपरीत,इलेक्ट्रिक ट्रक (ई-ट्रक) और इलेक्ट्रिक बसों (ई-बसों) के क्षेत्र में कोई उपलब्धि दर्ज नहीं की गयी है, और इलेक्ट्रिक रिक्शा/इलेक्ट्रिक कार्ट (ई-रिक्शा/ई-कार्ट) सेगमेंट सिर्फ. 3,602 यूनिट्स तक ही पहुँच पाया है, जबकि संशोधित लक्ष्य 39,034 का था। इलेक्ट्रिक एम्बुलेंस (ई- एम्बुलेंस) के मामले में भी प्रगति शून्य पर टिकी हुई है।

समिति की मुख्य सिफारिशें:

ध ई-2डब्ल्यू के लिए मांग संबंधी प्रोत्साहन को एक व्यवस्थित टेपरिंग मैकेनिज्म के साथ 31 मार्च 2028 तक बढ़ाएं, जो पीएम ई ड्राइव का आखिरी साल है, ताकि उस सेगमेंट में नीतिगत झटके से बचा जा सके जिसने मजबूती से बदलावों को अपनाया है और जो बड़े पैमाने पर आजीविका संबंधी समर्थन प्रदान करता है।

ध 1,10,596 ई-रिक्शा/ई-कार्ट के मूल लक्ष्य को पुनः बहाल करें, प्रोत्साहनों को 31 मार्च 2028 तक बढ़ाएं, और नियमों का अनुपालन नहीं करने वाली गाड़ियों के अप्राधिकृत उत्पादन और प्रचालन को रोकने के लिए राज्यों और एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करके प्रवर्तन संबंधी उपाय करें। समिति ने नोट किया कि लगभग 4.75 लाख बिना रजिस्ट्रेशन वाले ई-रिक्शा बिना प्रमाणीकरण, रजिस्ट्रेशन या बीमा के चल रहे हैं।

ध राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और बड़े शहरों में डीजल थ्री-व्हीलर के लगातार प्रचलन को देखते हुए, ई-3डब्ल्यू एल5 के लिए एक संशोधित और परिवर्धित लक्ष्य तय करें और 31 मार्च 2028 तक प्रोत्साहनों को जारी रखें।

ध ई-ट्रक और ई-एम्बुलेंस के लिए दिशानिर्देश, मॉडल संबंधी मंजूरी और विनिर्माणकताओं की ऑनबोर्डिंग को अंतिम रूप देने के लिए एक सुनियोजित निगरानी तंत्र तथा विस्तृत कार्य योजना के साथ स्पष्ट और बिना किसी समझौते वाली समय-सीमा तय करें ।

ध निविदा को अंतिम रूप देने के बाद ई-बसों को काम पर लगाने के लिए कार्यान्वयन संबंधी समय सीमा का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें, और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ एक मजबूत निगरानी अवसंरचना स्थापित करें।

इलेक्ट्रिक व्हीकल पब्लिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चरः निजी भागीदारी का विस्तार करना

समिति ने नोट किया कि पीएम ई-ड्राइव के तहत इलेक्ट्रिक व्हीकल पब्लिक चार्जिंग स्टेशन घटक के लिए तैयारी संबंधी कदम झ जिसमें भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी के तौर पर नियुक्त करना और ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा बेंचमार्क व्यय का संशोधन शामिल है झ पूरे हो चुके हैं। हालांकि, निधियों का उपयोग अभी भी सीमित है।

समिति ने समुक्ति की कि मौजूदा अलग-अलग राजसहायता संरचना श्रेणी 'ग' (सरकारी/पीएसयू से जुड़ी श्रेणियों में शामिल नहीं किए गए अन्य सभी स्थल) और 'घ' (बैटरी स्वैपिंग और बैटरी चार्जिंग स्टेशन) में चार्जर के लिए सीमित सहायता प्रदान करती है, जिससे निजी निवेश पर रोक लग सकती है और व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण और अधिक मांग वाले स्थलों पर चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार धीमा हो सकता है।

समिति की प्रमुख सिफारिशें:

श्रेणी 'ग' और 'घ' में चार्जर के लिए व्यवस्थित समर्थन प्रदान करने के लिए राजसहायता की संरचना की समीक्षा करें, ताकि अधिक निजी भागीदारी को बढ़ावा मिले।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

केडी सिंह बाबू स्टेडियम के हैंडबॉल ट्रेनीज ने जीते दोहरे खिताब

जिला स्तरीय जूनियर बालक-बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता

लखनऊ। केडी सिंह बाबू स्टेडियम की टीम ने खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश और क्षेत्रीय खेल कार्यालय, लखनऊ के तत्वावधान में लखनऊ जिला हैंडबॉल एसोसिएशन के सौजन्य से आयोजित जिला स्तरीय जूनियर बालक-बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन से दोनों वर्गो की विजेता ट्रॉफी जीत ली।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित प्रतियोगिता में बालिका वर्ग के

फाइनल में केडी सिंह बाबू स्टेडियम ने चौक स्टेडियम की टीम को रोमांचक मुकाबले में 15-12 से हराया। दूसरी ओर बालक वर्ग के फाइनल में भी केडी सिंह बाबू स्टेडियम की टीम विजेता बनी जिसने चौक स्टेडियम ट्रेनीज को 25-23 से शिकस्त दी।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि उपक्रीड़ाधिकारी राजेश कुमार गौड़ ने किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत केडी सिंह बाबू स्टेडियम के हैंडबॉल कोच मो तौहीद ने किया।

वहीं समापन समारोह में लखनऊ जिला हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव डा सुमंत पाण्डेय ने पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर चौक स्टेडियम की हैंडबॉल कोच अंकिता रत्न व अन्य मौजूद रहे। एक दिवसीय इस प्रतियोगिता मे बालक व बालिका दोनो ही वर्गो में आठ-आठ टीमों ने भाग लिया था जिनके मध्य नाकआउट मुकाबले खेले गए थे।

कैस्ट्रोल 'सारथी मित्र' कार्यक्रम के तहत चालकों को दिया जा रहा सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण

ट्रांसपोर्ट नगर में आयोजित शिविर में करीब 1000 ड्राइवरों ने लिया प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा और सुरक्षित ड्राइविंग की दी गई जानकारी

लखनऊ। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कैस्ट्रोल के 'सारथी मित्र' कार्यक्रम के तहत चालकों को सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक नियमों के पालन और दुर्घटनाओं से बचाव के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय सेना से सेवानिवृत्त प्रशिक्षक राजेंद्र सिंह द्वारा की गई, जिनके माध्यम से ड्राइवरों को सुरक्षित ड्राइविंग, वाहन रख-रखाव और आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले उपायों की जानकारी दी जा रही है।

लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में लगभग 1000 चालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान चालकों को रिफ्लेक्टर स्टिकर, टी-शर्ट, कॉपी, सुरक्षा किट, जैन कार्ड के साथ निःशुल्क रिफ्रेशमेंट और भोजन भी उपलब्ध कराया गया।

परियोजना समन्वयक हर्षित शुक्ला के सहयोग से यह योजना उत्तर प्रदेश के 12 जिलों में संचालित की जा रही है। यह पहल मुख्य रूप से ट्रक और अन्य व्यावसायिक वाहन चालकों

के लिए शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत उन्हें एक हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध कराया जाता है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे अपनी समस्याओं की जानकारी देकर समाधान प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसीपी कमलेश कुमार विभूति, एआरटीओ आलोक कुमार बाला, सीओ अभिषेक सिंह, एस.आई वीर भान सिंह, आर.के. सवर्ची, अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव तथा विज्ञापन प्रतिनिधि अपूर्व गुप्ता उपस्थित रहे।

कैस्ट्रोल 'सारथी मित्र' कार्यक्रम की ओर से सीएसआर हेड सुश्री रेखा पिल्लई, सीएफओ सुश्री मृणालिनी, प्रोजेक्ट हेड श्रीकांत कुलकर्णी, जोनल हेड विपिन आनन्द, फैसिलिटेटर रोहित शुक्ला, ट्रेनर राजेन्द्र सिंह तथा एकेडमिक हेड शिवांगी अस्थाना भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

आशुतोष पाठक ने ड्राइवरों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अंधे मोड़, संकरी पुल, रेलवे क्रॉसिंग, स्पीड ब्रेकर और तिराहों जैसे दुर्घटना संभावित स्थानों के बारे में जानकारी देते हुए चालकों से सतर्कता के साथ वाहन चलाने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने सड़क सुरक्षा प्रोजेक्ट के माध्यम से ड्राइवरों को दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय भी समझाए।

आरटीओ प्रभाकर पांडेय ने ड्राइवरों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने ड्राइवरों को सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने, गति नियंत्रण रखने और सतर्कता के साथ वाहन चलाने की सलाह दी, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

परियोजना समन्वयक हर्षित शुक्ला ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। साथ ही महिलाओं और युवाओं को भी प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

हजरत अली (अ0) का न्याय आज भी इंसानियत के लिए मिसाल : मौलाना अली अब्बास खान

लखनऊ 'ऐनुल हयात ट्रस्ट' की ओर से इमाम हजरत अली (अ0) की शहादत के गम में 20 रमजान को छोटा इमामबाड़ा हुसैनाबाद में रात 8:15 बजे एक मजलिस का आयोजन किया गया। मजलिस को मौलाना अली अब्बास खान साहब ने खिताब किया।

कार्यक्रम की शुरूआत कश्मीर के मशहूर कारी बशारत हुसैन साहब ने तिलावत-ए-कुरआन से की। उनकी तिलावत ने सभी लोगों को बहुत प्रभावित किया। इसके बाद मौलाना अली हादी साहब ने इमाम हजरत अली (अ0) का वसीयतनामा पढ़ा और कहा कि हमें उसकी बातों पर अमल करना चाहिए। वसीयतनामे की छपी हुई कॉपियां भी वहां मौजूद लोगों को दी गईं।

अपने बयान में मौलाना अली अब्बास खान साहब ने कहा कि दुनिया का हर इंसान इंसाफ चाहता है और कोई भी जुल्म पसंद नहीं करता। लेकिन लोग इंसाफ को सही तरह से नहीं समझते। हर कोई अपनी सोच के हिसाब से इंसाफ की परिभाषा कर लेता है।

उन्होंने कहा कि इमाम हजरत अली (अ0) ने बताया कि इंसाफ का मतलब है—हर चीज और हर व्यक्ति को उसका सही हक और सही जगह देना। अगर किसी को उसके हक से ज्यादा या कम दिया जाए तो वह ज़ुल्म है। सबको बराबर देना इंसाफ नहीं है, बल्कि जिसकी जितनी काबिलियत है, उसे उसी के हिसाब से ज़िम्मेदारी और बदला (इनाम या सजा) मिलना ही असली इंसाफ है।

मौलाना ने यह भी बताया कि अल्लाह ने दुनिया में हर चीज को अलग बनाया है—आंख का काम अलग है, हाथ का अलग, दिमाग का अलग। इसी तरह हर इंसान का काम अलग है। जब हर कोई अपना काम सही तरीके से करता है, तभी समाज में इंसाफ कायम होता है।

हजरत अली (अ0) की रहमत और अनाथों से मोहब्बत का ज़िक्र करते हुए मौलाना ने कहा कि रमजान की 20 तारीख की सुबह कूफा के अनाथ बच्चों को पता चला कि जो शख्स हर रात चुपके से उनके घर आकर मदद करता था, वह हजरत अली (अ0) ही थे।

मजलिस के आखिर में लोगों ने नम आंखों से हजरत अली (अ0) के उत्तराधिकारी इमाम मेहदी (अ0) की खिदमत में पुरसा पेश किया और हजरत अली (अ0) को श्रद्धांजलि दी।

संक्रमण नियंत्रण के लिए नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और एसएस मेडिकल सिस्टम्स ने समझौते पर हस्ताक्षर किए

लखनऊ, । स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और एसएस मेडिकल सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एक रणनीतिक प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण साझेदारी की।

इस समझौते पर औपचारिक रूप से कमोडोर अमित रस्तोगी (सेवानिवृत्त), प्रबंध निदेशक और डॉ. मोनीश भंडारी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसएस मेडिकल सिस्टम्स प्रा. लिमिटेड ने नागरूर लक्ष्मीनारायण, तकनीकी निदेशक और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

हरित चिकित्सा प्रौद्योगिकी में एक बड़ी सफलता इस साझेदारी के मूल में एसएस मेडिकल के इनोवेटिव माइक्रोवेव-आधारित मोबाइल संक्रमण नियंत्रण सिस्टम को बढ़ावा देना है। यह तकनीक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान, सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग एंड रिसर्च से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का परिणाम है।

इस सहयोग पर बात करते हुए, एनआरडीसी के सीएमडी, कमोडोर अमित रस्तोगी ने कहा की एनआरडीसी अस्पतालों, क्लीनिकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संक्रामक बायोमेडिकल कचरे के स्टरलाइजेशन हेतु एसएस मेडिकल के पेटेंटेड और पर्यावरण के अनुकूल समाधान का व्यवसायीकरण करने के लिए अपने अखिल भारतीय नेटवर्क का लाभ उठाएगा। एसएस मेडिकल सिस्टम्स के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, एनआरडीसी का लक्ष्य स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में उन्नत संक्रमण नियंत्रण समाधानों की तैनाती में तेजी लाना और एक सुरक्षित तथा अधिक मजबूत स्वास्थ्य सेवा ढांचा बनाने के भारत के प्रयासों का समर्थन करना है।

इस अवसर पर एसएस मेडिकल सिस्टम्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. मोनीश भंडारी ने कहा कि एसएस मेडिकल में हमारे मूल सिद्धांत हमेशा नवाचार के माध्यम से भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के साथ जुड़े रहे हैं। यह साझेदारी हमें अपनी अत्याधुनिक, माइक्रोवेव-आधारित तकनीकों को देश के हर कोने तक पहुंचाने में सक्षम बनाती है। कचरा निपटान के पुराने तरीकों को हमारे टिकाऊ, 'मेक इन इंडिया समाधानों से बदलकर, हम सिर्फ कचरे का प्रबंधन ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम अस्पताल से होने वाले संक्रमण के बोझ को कम करके और रोगियों व स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं दोनों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करके सक्रिय रूप से जीवन बचा रहे हैं।

भारत में विदेशी एयरलाइंस पर नई पाबंदी! डीजीसीए की अनुमति के बिना अब नहीं होगी लैंडिंग

(जीएनएस)।

भारत के नागरिक उड्डयन नियामक निदेशालय नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने देश में संचालन करने वाली विदेशी एयरलाइंस के लिए नए और सख्त नियम लागू किए हैं। नए निर्देश के मुताबिक अब कोई भी विदेशी एयरलाइन ऊ्क्ष्ृउअ की औपचारिक अनुमति के बिना भारत में

लैंडिंग नहीं कर सकेगी।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब सरकार और विमानन नियामक एयरलाइन संचालन, सुरक्षा और नियमों के पालन पर कड़ी निगरानी बढ़ा रहे हैं। अधिकारियों का मानना है कि इससे भारतीय विमानन क्षेत्र में सुरक्षा, विश्वसनीयता और नियामकीय अनुपालन को और मजबूत किया जा सकेगा।

श्रम मंत्री ने केंद्रीय मंत्री से भेंट कर वकालत का दिया आश्वासन

लखनऊ : 11 मार्च । उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि वह शीघ्र ही केंद्रीय श्रम मंत्री से भेंट कर पत्रकारों सहित निजी क्षेत्र के सभी अवकाश प्राप्त कर्मचारियों को भविष्य निधि संगठन (पीएफ) से मिल रही मासिक ₹1000 न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर ₹5000 करने की मांग पर बल देंगे ।

यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज केंद्रीय श्रम मंत्री को संबोधित संबंधित ज्ञापन श्री अनिल राजभर को दिया । यह प्रस्ताव यूनियन के अयोध्या में आयोजित

प्रादेशिक सम्मेलन में पारित किया गया था ।

प्रतिनिधि मंडल में यूनियन के प्रादेशिक महामंत्री देवराज सिंह लखनऊ इकाई के अध्यक्ष शिवशरण सिंह , अब्दुल हसनैन ताहिर , अशीष कुमार सिंह शामिल थे ।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने बताया ₹1000 न्यूनातम पेंशन का निर्धारण करीब डेढ़ दशक पूर्व हुआ था । विभिन्न राज्य सरकारें महिलाओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों को हजारों रुपए पेंशन दे रही है , दूसरी ओर जीवन के कई दशक पूर्णकालिक नौकरी में गुजार देने वाले कर्मचारियों को केवल ₹1000 पेंशन दिया जाना हास्यापद एवं अन्याय पूर्ण है ।

श्री राजभर ने अश्वासन दिया की वह शीघ्र ही केंद्रिय श्रम मंत्री से भेंट कर यूनियन की मांग न केवल उन तक पहुंचाएंगे बल्कि मांग पूरी करने पर बल भी देगे ।

लडकी के साथ दुष्कर्म करने वाला वाँछित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना बर्रा कमिश्नरेट कानपुर

कानपुरनगर। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल कमिश्नरेट कानपुर द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) कमिश्नरेट कानपुर नगर, अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिण), अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) कमिश्नरेट कानपुर नगर एंव सहायक पुलिस आयुक्त नौबस्ता कानपुर नगर के निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव थाना बर्रा कानपुर नगर के नेतृव में बर्रा पुलिस की टीम द्वारा थाना बर्रा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 80/2026 धारा 123/64(2)/308(2)/191(2)/352/351(2)/351(3)/140() बीएनएस थाना बर्रा कानपुर में त्वरित कार्यवाही करते हुये 24 घण्टे के अन्दर दुष्कर्म करने वाला नामजद अभियुक्त अथर्व सिंह पुत्र अमित सिंह निवासी म0 नं0 219 न्यू श्याम नगर नौबस्ता थाना हनुमंत

विहार जनपद कानपुर नगर उम्र करीब 21 वर्ष को श्याम नगर नौबस्ता कानपुर नगर से गिरफ्तार किया गया। अन्य विवेचनात्मक विधिक कार्यवाही करते हुये अभियुक्त अथर्व सिंह उपरोक्त को न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त अथर्व सिंह पुत्र अमित सिंह निवासी म0नं0 219 न्यू श्याम नगर नौबस्ता थाना हनुमंत विहार जनपद कानपुर नगर उम्र करीब 21 वर्ष का है।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास

इस प्रकार है मु0 अ0 सं0 80/2026 धारा123/64(2)/308(2)/191(2)/ 352/351(2)/351(3)/140(3)बीएनएस थाना बर्रा कानपुर नगर, गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक श्री रवीन्द्र श्रीवास्तव थाना बर्रा कमिश्नरेट कानपुर नगर ।

व0उ0नि0 श्री नन्दू सिंह थाना बर्रा कमिश्नरेट कानपुर नगर। हे0 का0 424 दारा सिंह थाना बर्रा कमिश्नरेट कानपुर नगर। म0का0 1267 किसमिसा सिंह थाना बर्रा कमिश्नरेट कानपुर नगर ।

तेजी से बढ़ रहा सवर्ण आर्मी संगठन, सदस्यता अभियान जारी

(जीएनएस)।

सोनभद्र। सवर्ण समाज के अधिकारों की आवाज उठाने के उद्देश्य से गठित सवर्ण आर्मी संगठन का विस्तार सोनभद्र जिले में लगातार तेजी से हो रहा है। संगठन के पदाधिकारी जगह-जगह जाकर लोगों को संगठन की विचारधारा से जोड़ने और सदस्यता अभियान चलाने में जुटे हुए हैं।

संगठन के कार्यकताओं का कहना है कि सवर्ण आर्मी का गठन उन कानूनों और नीतियों के विरोध में किया गया है, जिन्हें वे समाज में विभाजन पैदा करने वाला या किसी एक वर्ग को दबाने वाला मानते हैं।

संगठन का दावा है कि वह ऐसे कथित 'काले कानूनों' के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने के लिए लोगों को एकजुट कर रहा है।

सोनभद्र जिले में संगठन को मजबूत करने के लिए कई पदाधिकारी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसमें बिना नगर सचिव अमित दुबे, जिला सचिव सोनभद्र अनिमेष कुमार चौबे, जिला उपाध्यक्ष श्री विंध्यवासिनी सिंह तथा नगर सचिव शक्तिनगर पंकज चौबे प्रमुख रूप से शामिल हैं। ये सभी पदाधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं और संगठन से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, सवर्ण आर्मी समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर उनकी समस्याओं को उठाने और अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने का कार्य कर रही है। उनका कहना है कि आने वाले समय में संगठन का विस्तार और भी तेजी से किया जाएगा तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाएगा।

'राजपाल कम पढ़े लिखे', प्रियदर्शन के इस बयान से भड़के थे एक्टर, अब डायरेक्टर ने दी सफाई

(जीएनएस)।

फरवरी महीने में बॉलीवुड अभिनेता Rajpal Yadav एक पुराने चेक बाउंस मामले के कारण चर्चा में रहे। उन्होंने इस मामले में Tihar Jail में आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद अदालत से उन्हें 18 मार्च तक अंतरिम जमानत मिल गई। इसी दौरान एक पारिवारिक शादी में शामिल होने का उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।

बाद में मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजपाल यादव ने पूरे मामले पर अपनी बात रखी और कहा कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों का समर्थन और सहयोग मिलने के लिए आभार भी जताया।

प्रियदर्शन के बयान से बढ़ा विवाद

इसी बीच निर्देशक Priya darshan के एक पुराने बयान ने विवाद को हवा दे दी। दरअसल, जब राजपाल जेल में थे, तब प्रियदर्शन ने उनके बारे में टिप्पणी करते हुए कहा था कि वे "कम पढ़े-लिखे" हैं और शायद इसी वजह से उनसे ऐसी गलती हुई। यह बात सामने आने के बाद राजपाल यादव ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रियदर्शन उन्हें ठीक से जानते तक नहीं हैं और वे खुद को पढ़ा-लिखा व्यक्ति मानते हैं।

पुराने रिश्ते और साथ काम करने की कहानी

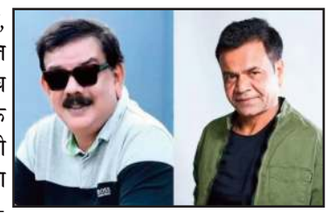

प्रियदर्शन के अनुसार उन्होंने राजपाल यादव को पहली बार 2000 में आई फिल्म Jungle में देखा था और तब से वे उन्हें करीब दो दशकों से जानते हैं। दोनों ने साथ में पहली बार फिल्म malamaal Weekly में काम किया था।

निर्देशक ने बताया कि एक समय राजपाल की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने अपनी अगली फिल्म के निमार्ताओं से अभिनेता को तय रकम से अधिक फीस देने की सिफारिश भी की थी। मौजूदा समय में राजपाल उनकी एक फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं।

बयान पर दी सफाई

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट से बातचीत में प्रियदर्शन ने इस पूरे विवाद पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनके बयान का अर्थ गलत समझ लिया गया। उनके मुताबिक वे राजपाल की शिक्षा नहीं, बल्कि उनकी मासूमियत और इंडस्ट्री में संघर्ष की परिस्थितियों की ओर इशारा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा सिर्फ किताबों से नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों से भी मिलती है। उनका आशय "स्ट्रीट स्मार्टनेस" से था, यानी परिस्थितियों को समझने की व्यावहारिक समझ से।

राजपाल की सादगी का किया ज़िक्र

प्रियदर्शन ने आगे कहा कि राजपाल का स्वभाव बेहद सरल और भरोसेमंद है। उनके मुताबिक गाँवों से आने वाले कई लोग इतने सीधे होते हैं कि उन्हें कई बार सही-गलत का अंदाजा देर से होता है। निर्देशक ने अंत में दोहराया कि उनका उद्देश्य राजपाल यादव का अपमान करना नहीं था। उन्होंने कहा कि अपने लंबे करियर में उन्होंने राजपाल जैसा निष्कपट इंसान बहुत कम देखा है और उनकी यही मासूमियत उन्हें खास बनाती है।

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष 13 मार्च को सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की करेंगी जन सुनवाई

(जीएनएस)।

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश। अपर जिलाधिकारी प्रोटोकाल ने अवगत कराया है कि राज्य महिला आयोग अध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर प्राप्त) डॉ0 बबिता सिंह चैहान का जनपद में सर्किट हाउस चुर्क में 12 मार्च को रात्रि में आगमन होगा, अध्यक्ष 13 मार्च 2026 को जिला महिला चिकित्सालय में कन्या जन्मवोत्सव कार्यक्रम में प्रातः 09:30 बजे प्रतिभाग करेगी, इसके पश्चात सर्किट हाउस में

जनपद में महिलाओं की उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की जन सुनवाई करेंगीं, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। इसके पश्चात सर्किट हाउस सभागार में महिलाओं का सम्मान गोद भराई व अन्नप्रासन कार्यक्रम में प्रतिभग करेगी इसके पश्चात वैष्णों माता मंन्दिर डाला में अध्यक्ष दर्शन व पूजन करेगीं इसके पश्चात जिला करागार महिला बन्दीगृह का निरीक्षण करेगी तद्द पश्चात अपने गनतब्य को प्रस्थान करेगी।

अनपरा में महावीरी झंडा जुलूस की झांकी में महिषासुर मर्दिनी का दृश्य देख भाव-विभोर हुए दर्शक -आर पी सिंह

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा के हिंदुत्व के महाकुंभ ऐतिहासिक महावीरी झंडा जुलूस के दौरान निकाली गई भव्य झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया।अनपरा बाजार महावीर सेवा समिति द्वारा तिराहे पर मंच के माध्यम से कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मां दुर्गा के महिषासुर मर्दिनी स्वरूप की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। जैसे ही मां दुर्गा द्वारा महिषासुर वध का दृश्य प्रस्तुत किया गया, वहां मौजूद हजारों श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और पूरा वातावरण जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा।झांकी में कलाकारों ने मां दुर्गा और महिषासुर के युद्ध का जीवंत प्रदर्शन किया, जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कलाकारों की वेशभूषा, साज-सज्जा और मंचन इतना प्रभावी था कि लोगों को लगा मानो पौराणिक कथा साक्षात उनके सामने जीवंत हो उठी हो।

महावीरी झंडा जुलूस में शामिल विभिन्न जगहों के समितियों द्वारा निकाली गई झांकियों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जगह-जगह लोग जुलूस का स्वागत करते नजर आए, वहीं डीजे की धुन पर युवाओं का उत्साह भी देखते ही बन रहा था। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रशासन और पुलिस बल समिति के वॉलेंटियर भी मुस्तैद रहा, जिससे जुलूस शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो गया। केंद्रीय कमेटी के अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता ने बुधवार को सभी समितियों के पदाधिकारियों महिलाओं दूर दराज से आए दर्शकों कलाकारों सभी राजनैतिक दलों के सदस्यों पत्रकारों महिलाओं,बच्चों के अलावे उप जिलाधिकारी, उप पुलिस अधीक्षक हर्ष पाण्डेय थानाध्यक्ष सतेंद्र राय, नागेश सिंह, कमल नयन दुबे सहित सभी पुलिस कर्मी महिला पुलिस केंदीय कमेटी के साथियों व्यापारियों को कार्यक्रम के सफलता को लेकर स्वागत के साथ उनका आभार प्रकट किया।

एससी/एसटी एक्टः तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा एवं 60- 60 हजार रुपए अर्थदंड, न देने पर 06 - 06 माह की भुगतनी होगी अतिरिक्त कैद

(जीएनएस)।

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश। साढ़े 11 साल पूर्व पति के घायल होने की झूठी सूचना देकर दलित महिला को साथ ले जाकर विद्यालय में सामुहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तीन दोषियों को एससी/एसटी एक्ट में दोषसिद्ध पाकर उम्रकैद की सजा सुनाई। उनके ऊपर 60-60 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 06-06 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 90 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित महिला (पीड़िता) ने एसीजेएम कोर्ट में धारा 156(3) सीआरपीसी के तहत दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि वह अनुसूचित जाति की महिला है। विपक्षीगण नंदलाल, कांग्रेस व एक अन्य व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना कराए जाने की मांग की थी। अवगत कराया था कि उसके पति शाहगंज थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी नंदलाल व कांग्रेस के साथ एक माह पूर्व काम के सिलसिले में गए थे। घटना 22 जुलाई 2014 की है। उसके घर पर नंदलाल, कांग्रेस व एक अन्य व्यक्ति मैजिक गाड़ी से आए और कहा कि उसके पति दुर्घटना में घायल हो गए हैं उन्हें करमा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ पैसे का प्रबंध करके साथ चलने को कहा तो उनकी बातों पर विश्वास करके घर में रखा 8000/ रुपये लेकर चल दी। वे लोग उसे लेकर एक विद्यालय में चले गए। जब उसने कहा कि यहां क्यों लाए हो तो जाति सूचक शब्दों से गाली देने लगे और अकेला पाकर जबरन बारी बारी से तीनों ने उसके साथ सामुहिक दुष्कर्म किया। कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर वहीं अकेले छोड़कर चले गए। इसकी सूचना तत्काल करमा थाने में दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से शिकायती पत्र भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश पर तीनों के विरूद्ध 05 सितंबर 2014 को दुष्कर्म, लूट, एससी/एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया। सीओ द्वारा मामले की विवेचना की गई और पर्याप्त सबूत मिलने पर नंदलाल, कांग्रेस व विनय सिंह के विरुद्ध कोर्ट में विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 06 गवाहों के बयान तथा पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर तीन दोषियों नंदलाल, कांग्रेस तथा विनय सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई। इनके ऊपर 60- 60 हजार रुपए अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर तीनों को 06 - 06 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 90 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सी शशांक शेखर कात्यायन ने बहस की।

दरियाबाद कटैरा वाली मस्जिद में 21वें रमजान को तरावीह में मुकम्मल हुआ कुरआन-ए-पाक

प्रयागराज। दरियाबाद मस्जिद में माहे रमजान के मुकद्दस मौके पर 21वें रोजे की रात तरावीह की नमाज में कुरआन-ए-मजीद मुकम्मल किया गया। इस रूहानी और बरकतों भरे लम्हे पर मस्जिद में खास महफि ल का एहतिमाम किया गया, जिसमें शीरनी, फातिहा और मुल्क की हिफाजत के लिए दुआओं का सिलसिला रहा।

तरावी सुनाया अली हाफिज जी ने पढ़ा। उलेमा- मेहंदी हसन ने अपने बयान में रमजान की फजीलत, रोजे और तरावीह की अहमियत पर रौशनी डालते हुए कहा कि यह महीना सब्र, तकवा और इबादत का महीना है। उन्होंने मुसलमानों को अल्लाह तआला और उसके रसूल हजरत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के अहकामात पर अमल करने की ताकीद की।

महफि ल में बच्चों की शिरकत भी खास रही। मोहम्मद मुबाशिर, मोहम्मद एनान और जैहरा सिद्दीकी ने नात-ए-पाक पेश कर समां बांध दिया। मौलाना कासिम रजा निजामी और मौलाना शादाब सिद्दीकी ने तकरीर करते हुए कहा कि वे लोग बेहद खुशनसीब हैं, जिन्हें तरावीह में अल्लाह का कलाम सुनने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि तरावीह में कुरआन सुनना एक अलग सुन्नत है और पूरे रमजान मुकम्मल सुनना अपनी अलग अहमियत रखता है।

कुरआन-ए-पाक को हिफ्ज से तरावीह में सुनाने का शरफ हाफिज मोहम्मद आसिफ को हासिल हुआ। उन्होंने दस दिनों में मुकम्मल कुरआन सुनाकर नमाज-ए-तरावीह पूरी कराई। रमजान का आगाज देर रात चांद की तस्दीक के बाद हुआ था। पहले चांद दिखने को लेकर भ्रम की स्थिति बनी, लेकिन रात करीब 12 बजे शहर काजी की ओर से आधिकारिक ऐलान के बाद हालात वाजेह हुए और अगले दिन से तमाम मसाजिद में तरावीह शुरू हो गई।

मौके पर मोहम्मद शारिक, मोहम्मद हसन पत्रकार मोहम्मद हरीश, नसर अहमद, सलाउद्दीन

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में मेडल जीते तरुण और दिव्यांशु का उजाला एचपी सेंटर पर हुआ जोरदार स्वागत

मथुरा (जीएनएस)। वाराणसी में संपन्न हुई अंडर-15 कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके ब्रज का गौरव बढ़ाने वाले पहलवान तरुण सिसौंदिया और दिव्यांशु सिसौंदिया का जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है। इसीक्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांव अकबरपुर के उजाला एचपी सेंटर पर तरुण और दिव्यांशु पहलवान का पटुका, फूल माला पहनकर ढोल-नगाड़ों के मध्य जोशीला स्वागत किया गया। वाराणसी में विगत 17 से 19 फरवरी तक आयोजित इस चैंपियनशिप में तरुण सिसौंदिया ने 41 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक (सिल्वर मेडल) और दिव्यांशु सिसौंदिया ने 38 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक (ब्रांज मेडल) जीतकर न केवल अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, बल्कि युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने का एक बेहतरीन संदेश भी दिया है। स्वागत कार्यक्रम के आयोजक विद्युत विभाग के पूर्व एमडी एवं सरकार के पूर्व विद्युत सलाहकार कृपाल सिंह ने दोनों ही पहलवानो के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वाशन दिया। इस मौके पर अभिषेक सिंह ने कहा कि युवाओं को शारीरिक रूप से मजबूत होने के लिए खेलों को माध्यम बनान जरूरी है। खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से दुष्यंत सिंह, कृष्णा सिसौंदिया, प्रमुख दाताराम सिसौंदिया, सौदान सिंह राजपूत, रतन सिंह, दीवान सिंह, राज सिसौंदिया, आकाश यादव, हरिओम सिसौंदिया, अंशुल और कृष्ण सिंह आदि ने दोनों पहलवानों को आशीर्वाद देते हुए आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

फरह पुलिस और स्वॉट टीम ने दबोचे दो तस्कर : गांजा की खेप हुई बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना फरह क्षेत्र में अछनेरा रोड़ स्थित नगला दौजी पुलिया के पास से फरह पुलिस और स्वॉट टीम ने दो शातिर मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए तस्करों के कब्जे से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा सीओ रिफाइनरी अनिल कपरावन के नेतृत्व में थाना प्रभारी फरह छोटेलाल और स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ मादक पदार्थ और अवैध शराब तस्करों की धरपकड़ में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि अछनेरा रोड़ पर नगला दौजी पुलिया के पास दो मादक पदार्थ तस्कर आने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी फरह छोटेलाल और स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम में कस्बा चौकी प्रभारी अजय मलिक, एसआई विनीत नेहरा, मुख्य आरक्षी विनय कुमार और स्वॉट टीम के मुख्य आरक्षी हरजेन्द्र सिंह, दुर्विजय सिंह, अखिल प्रताप सिंह, रमन चौधरी, योगेश कुमार और आशुतोष के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान पुलिया पर खड़े शातिर मादक पदार्थ तस्कर सामने से पुलिस की गाड़ी आते हुए देखकर भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर मादक पदार्थ तस्कर पप्पू उर्फ महेन्द्र पुत्र रामस्वरुप निवासी गांव बबरौद थाना अछनेरा जिला आगरा और गोपाल पुत्र चन्दन निवासी गांव भाहई थाना रिफाइनरी को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से 29 किलो 760 ग्राम गांजा और तस्करी में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

पुलिस ने कब्र से निकाला शव तो खुला मृतका की हत्या का राज : बहु ने प्रेमी के साथ मिलकर की थी सास की हत्या

मृतका ने बहु को प्रेमी के साथ देख लिया था आपत्तिजनक हालत में

मथुरा (जीएनएस)। थाना राया क्षेत्र स्थित भंकरपुर बसैला में बहू ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अवैध संबंधों में बाधक बनी सास की हत्या की गई थी। डीएम के आदेश पर पुलिस ने कब्र से शव निकलवा कर पोस्टमार्टम कराया तो मृतका की मौत गला दबाने से होना पाया गया और इसी के साथ मृतका की गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई पायी गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्यारोपी बहू और उसके प्रेमी को गिरफ्तार करके हत्या का खुलासा कर दिया। बताते चलें कि विगत 3 मीर्च को गांव भंकरपुर बसैला की रहने वाली वृद्धा अनवरी बेगम की मौत हो गई थी। मृतका की पुत्रवधु ने फोन करके अपने पति आमिर को सूचना दी थी कि अम्मी बोल नहीं रही हैं, उन्हें साईलेंट अटैक पड़ा है। इसके बाद बाहर रहकर काम कर रहा मृतका का पति और पुत्र आमिर अगले दिन पहुंचे तो उन्होंने साईलेंट अटैक की बात को सच मानकर मृतका के शव को दफना दिया था। इसके बाद मृतका के पति को आस-पास के लोगों से पता चला कि उसके पुत्र आमिर की बहू के पड़ोस में रहने वाले आदिल पुत्र नसरूद्दीन के साथ अवैध संबंध चल रहे हैं तथा मृतका ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था, इसलिए उसकी पुत्रवधु ने प्रेमी के साथ मिलकर अनवरी बेगम की हत्या की है। इसकी जानकारी होते ही मृतका का पति डीएम चन्द्रप्रकाश सिंह के पास पहुंचा और गुहार लगाते हुए बोला कि वह और उसका बेटा आमिर दोनों बाहर रहकर काम करते हैं। इसी दरम्यान पीछे से उसकी पत्नी की हत्या की गई है। पीड़ित पति ने शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम कराने के लिए डीएम से गुहार लगायी तो डीएम ने कब्र से शव निकालकर पोस्टमार्टम करने के आदेश दिए थे। इसके बाद पुलिस ने मृतका के शव को कब्र से निकाल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम गृह पर चिकित्सकों ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम किया तो मृतका की मौत का कारण दम घुटना निकला और इसके साथ ही गर्दन की हड्डी टूटी मिली। इसके बाद थाना प्रभारी राया कर्मवीर सिंह ने पुलिस टीम में अतिरिक्त निरीक्षक क्राइम अरविंद सिंह, महिला एसआई रौनक, आरक्षी रवि कुमार और रूपाली के साथ आरोपियों के घरों पर दबिश देकर मृतका की पुत्रवधु और प्रेमी आदिल पुत्र नसरूददीन निवासी भंकरपुर बसैला थाना राया को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि मृतका ने अपनी पुत्रवधु को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके बाद हत्यारोपी बहु ने प्रेमी आदिल के साथ मिलकर तकिया से मुंह दबाकर अनवरी बेगम की हत्या की थी। इसके बाद शातिर बहु ने फोन करके पति आमिर को बताया था कि अम्मी बोल नहीं रही हैं, शायद साईलेंट अटैक पड़ा है। सूचना मिलते ही मृतका का पति अपने पुत्र आमिर के साथ घर पहुंचा तो शातिर बहु ने ऐसा नाटक किया कि जैसे हकीकत में ही उसकी सास अनवरी बेगम की साईलेंट अटैक से मौत हुई है। इसलिए विश्वास करके उस समय परिजनों ने मृतका अनवरी बेगम के शव को दफना दिया था। पुलिस ने हत्यारोपी बहु और प्रेमी की निशानदेई से हत्या में प्रयुक्त तकिया को बरामद कर लिया है। पुलिस ने पकड़ी गई हत्यारोपी पुत्रवधु और उसके प्रेमी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

गीता शोध संस्थान के कलाकारों ने रंगोत्सव और ताज महोत्सव में किया लीला मंचन

शारदा और मंगलायतन विश्वविद्यालयों और ओपन एयर थिएटर पर कृष्ण की लीलाओं की प्रस्तुति देख दर्शक हुए गदगद

मथुरा (जीएनएस)। उ.प्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संचालित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के कलाकारों ने रंगोत्सव के अंतर्गत गीता शोध संस्थान वृंदावन के ओपन एयर थिएटर में एवं दो विश्वविद्यालयों के समारोहों में रामलीला का भव्य मंचन किया। अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बालक-बालिकाओं ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। गीता शोध संस्थान के प्रशिक्षणार्थी बालक और बालिकाओं ने 10 मार्च को स्थानीय ओपन एयर थियेटर पर "मुदरिया चोरी" लीला का भव्य मंचन किया। इस मौके पर डिप्टी मेयर मुकेश सारस्वत, समाजसेवी उदयन शर्मा, कथा वाचक मोहिनी कृष्ण दासी, भजन गायक शिवम, विनय गोस्वामी और कपिल उपाध्याय आदि अतिथि थे। इससे पूर्व 19 फरवरी को शारदा विश्वविद्यालय (आगरा) में "नित्य रासलीला" का भव्य मंचन किया गया। दोनो मंचन का निर्देशन संस्थान के निदेशक दिनेश खन्ना ने किया। वहीं कोरियोग्राफी एवं कथक नृत्य का प्रशिक्षण कु. मानसी राजपूत ने दिया और हारमोनियम पर आकाश शर्मा ने संगति की जबकि ऋतु सिंह ने वस्त्र-विन्यास का दायित्व संभाला। इसी के साथ मनमोहन कौशिक और सुनील पाठक समेत अन्य कलाकारों ने संगीत एवं प्रस्तुति में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में लगभग दो दर्जन बालक- बालिकाओं ने भाग लिया। इसीक्रम में 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर मंगलायतन विश्वविद्यालय (अलीगढ़) में बसंत पंचमी के मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं रजिस्ट्रार ने कलाकारों का स्वागत कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। विदित हो कि इस विश्वविद्यालय के साथ पूर्व में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कला एवं आर्ट-क्राफ्ट गतिविधियों के लिए एमओयू भी संपादित हो चुका है। विगत 25 फरवरी को आगरा स्थित ताज महोत्सव में भव्य मंच पर मुदरिया चोरी एवं होली की लीलाओं का आकर्षक मंचन किया गया, जिसे देख दर्शकों ने खूब सराहा था। गीता शोध संस्थान (वृंदावन) के समन्वयक (जनसंपर्क विभाग) चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संचालित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे बालक-बालिकाओं ने ब्रज कला केंद्र समेत अन्य संस्थाओं में भी अपनी प्रस्तुतियों से विशिष्ट पहचान बनाई है। कहा कि रासलीला प्रशिक्षण एवं मंचन का क्रम निरंतर जारी है।

यक्ष-एप से मथुरा पुलिस ने हजारों अपराधियों का किया सत्यापन

यक्ष एप बना पुलिस के लिए अहम शस्त्र

मथुरा (जीएनएस)। जनपद में अपराध नियंत्रण के साथ ही कानून-व्यवस्था को मजबूती देने के इरादे से एसएसपी के आदेश पर जनपद के सभी थानों की पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर यक्ष एप के माध्यम से अपराधी एवं अभियुक्तों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है।

एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर जनपद के सभी थानों की पुलिस ने यक्ष एप के माध्यम से चिह्नित हजारों अपराधी एवं अभियुक्तों का मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन किया गया। विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद पुलिस ने अभी तक 8 हजार 7 सौ 91 अपराधियों का सत्यापन किया जा चुका है।

एसएसपी के अनुसार यक्ष एप के माध्यम से यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा शेष बचे अपराधियों का सत्यापन भी तेजी से कराया जा रहा है, जिससे कि उनकी वर्तमान स्थिति और गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। पुलिस के इस अभियान से जनपद में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में खासी मदद मिलेगी। इस अभियान के दौरान कोतवाली पुलिस ने 9 सौ 49, जैंत पुलिस ने 7 सै 46, राया पुलिस ने 5 सौ 95, शेरगढ़ पुलिस ने 5 सौ 61, जमुनापार पुलिस ने 5 सौ 37, गोविंदनगर पुलिस ने 5 सौ 21, मगोर्रा पुलिस ने 4 सौ 74, छाता पुलिस ने 4 सौ 51, कोसीकलां पुलिस ने 4 सौ 15, बल्देव पुलिस ने 4 सौ 3, हाईवे पुलिस ने 4 सौ 2, बरसाना पुलिस ने 3 सौ 91, गोवर्धन पुलिस ने 3 सौ 48, मांट पुलिस ने 3 सौ 36, रिफाइनरी पुलिस ने 3 सौ 25, नौहझील पुलिस ने 2 सौ 80, वृंदावन पुलिस ने 2 सौ 77, सदर पुलिस ने 2 सौ 43, महावन पुलिस ने 2 सौ 15, सुरीर पुलिस ने 167 और फरह पुलिस ने 155 अपराधियों का भौतिक सत्यापन किया गया।

एसएसपी के मुताबिक इस प्रकार के अभियान से अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलती है तथा किसी भी संभावित घटना को रोका जा सकता है।

यूपी पुलिस एसआई भर्ती परीक्षा की तैयारी को प्रशासन ने दिया अंतिम रूप : 17 केंद्रों पर 9 हजार अभ्यर्थी देंगे दरोगा बनने के लिए परीक्षा

मथुरा (जीएनएस)। प्रदेश में होने जा रही पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। यूपी पुलिस एसआई की परीक्षा आगामी 14 और 15 मार्च को आयोजित की जाएंगी। प्रदेश में 43 सौ पदों के लिए करीब साढ़े 4 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। मथुरा में पुलिस एसआई परीक्षा के लिए 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर करीब 9 हजार परीक्षार्थी दो दिन आयोजित होने वाली परीक्षा में शामिल होंगे। एसआई परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। परीक्षा के लिए प्रशासन ने एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार को नोडल अधिकारी बनाया है और पुलिस विभाग की ओर से एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह को व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परीक्षा के पर्यवेक्षक के रूप में आगरा नारकोटिक्स में तैनात सीओ उमेश पंवार को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस फोर्स तैनात किया जाएगा। एसआई की परीक्षा 14 और 15 मार्च को दो-दो पालियों में होंगी। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा सम्पन्न कराई जाएगी। इसके साथ ही परीक्षा के दौरान नकल पर अंकुश लगाने के लिए परीक्षा केंद्रों के आस-पास फोटोस्टेट और साइबर कैफे की दुकानों पर भी पुलिस विशेष नजर रखेगी। पुलिस-प्रशासन ने साफ कहा है कि परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी महत्वपूर्ण इंतजाम कर लिए गए हैं।